



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

8W
27/11

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 459] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 31, 1989/भाद्र 9, 1911

No. 459] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 13, 1989/BHADRA 9, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रविश्यूकना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1989

सं. 41/89-केंद्रीय उद्योग-शुल्क (एन टो)

सा. का. नि. 797 (प्र):—केंद्रीय सरकार का यह समाधान है यदा है कि ऐसी प्रवा के भ्रुमार जो केंद्रीय उद्योग-शुल्क और नमक व्यवित्रियम, 1944 (1944 का 1) को धारा 3 के अधीन केंद्रीय उद्योग-शुल्क के उद्यग्न को अधित (जिसके अन्तर्गत उमका उद्यग्न त किया जाता है) साधारणतया प्रवित्रित थे, केंद्रीय उद्योग-शुल्क टैरिक व्यवित्रियम, 1985 (1986 का 5) को अनुसूची के अध्याय 73 के अन्तर्गत अपने

एसे स्टील बोर्ड लायर रिंगों पर, जिनका प्रोत्ता नाइकिनो/राइकिल रिक्शा टायरों के विनिर्माण में किया जाता है, उत्तराधिकार 1 मार्च, 1986 को प्रारंभ होते बल्ले और 12 मई, 1988 को समाप्त होते बल्ले अवधि के दौरान उद्धरण नहीं किया गया था।

अतः, अब, केंद्रीय सहकार, उक्त केंद्रीय उत्तराधिकार और समक्ष अधिनियम, 1944 को धारा 11G द्वारा प्रदत्त स्थिरियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देना है कि ऐसे स्टील बोर्ड लायर रिंगों पर, यदि उक्त प्रथा न होती तो, उक्त अधिनियम के प्रधीन संदर्भ समस्त उत्तराधिकार ऐसे स्टील बोर्ड लायर रिंगों की वायत संदर्भ किया जाना उत्प्रेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्तराधिकार उक्त प्रथा के अनुमान पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्धरण नहीं किया गया था।

[फा. सं. 139/32/88-के उत्तर 4
शिशिर कुमार, उप-सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 1989.

NO. 41/89-CENTRAL EXCISE (NT)

G.S.R. 797 (E) —Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on steel bead wire rings falling within the Chapter 73 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and used in the manufacture of cycle/cycle rikshaw tyres was not being levied during the period commencing from 1st March, 1986 and ending with 12th May, 1988.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 C of the said Central Excises and Salt Act, 1944, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on such steel bead wire rings, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such steel bead wire rings, on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 139/32/88-CX, 4
SHISHIR KUMAR, Dy. Secy]